

30/1/25

आ- वा आवाज लगाने के बाद भी निली अधीन  
ही अधीन अधिक उपस्थित हूँ। तेषीं अधीन उप  
पत्रा अधम हजरी अधम पेशी में खाजि की जाती  
है। पत्रा फंसल शुभा की जाऊ नैवा से कम की  
जावे। बाद जख्वा दखिल पफता ली।

पुस

सुबन्ध अधिकारी  
पर्वन  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
भरतपुर (राज.)